

Title: Situation arising out of the withdrawal of cases pertaining to riots and lifting the ban on "Trishul Diksha" in Banswada district of Rajasthan.

श्री रामजीलाल सुमन : उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के कार्लिजरा कस्बे में नौ सितम्बर, 2002 को एक साम्प्रदायिक दंगा हुआ। उस साम्प्रदायिक दंगे में अल्पसंख्यक समुदाय के घरों में आग लगाई गई। (व्यवधान)

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : यह स्टेट का मामला है, यह यहां कैसे उठ सकता है? यह स्टेट मैटर है, यह लोक सभा में नहीं उठना चाहिए। राजस्थान में बिल्कुल शान्ति है, वहां बहुत अच्छा शासन चल रहा है। (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों व अन्य समुदाय के लोगों के घरों में आग लगा दी गई और मस्जिद को तोड़ा गया। (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Except the submission of Shri Ramji Lal Suman, nothing will go on record.

श्री रामजीलाल सुमन : उपाध्यक्ष महोदय, उसमें 50 से ज्यादा लोग नामजद हुए, जिनका सम्बन्ध राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद, वनवासी कल्याण परिषद और शिवसेना से था। जो प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज हुई, उसमें कुछ लोगों को सजा हो गई। विश्व हिन्दू परिषद और दूसरे संगठनों के लोग उसमें नामजद थे। राजस्थान सरकार ने उनके मुकदमे वापस ले लिये हैं और अल्पसंख्यक समुदाय। (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House stands adjourned to meet again

at 2.45 p.m.

13.47 hrs.

*The Lok Sabha then adjourned for Lunch till forty-five minutes
past Fourteen of the Clock.*
